No. of Printed Pages : 6

MBG–004

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

December, 2025

MBG–004 : AKSHAR–BRAHMA EVAM RAJVIDYA YOGA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.*

(ii) Attempt questions from both Sections as per instructions given.

Section—A

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×15=60

1. Describe Aparā and Parā Prakṛti.

2. Describe the nature of Jñāna-Vijñāna.
3. Describe the comprehensive vision of Bhakti and Jñāna.
4. Prove, 'God is omnipresent'.
5. Explain Adhyātma.
6. Write about the nature of Brahma.
7. Write about the means for being in the constant state of Yoga.

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×10=40

1. Describe the nature of death according to the Gītā.
2. Write a note on Paramadhāma.
3. Describe in brief Bhakti in accordance with the Gītā.
4. Write about the nature of worship according to the Gītā.

5. Write a note on Aksharabrahma.

6. Define Adhidaiva.

7. Explain the following :

यथाऽऽकाशस्थितो नित्यं वायुः सर्वत्रगो महान्।

तथा सर्वाणि भूतानि मत्स्थानीत्युपधारय॥

MBG–004

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.बी.जी.-004 : अक्षर-ब्रह्म एवं राजविद्या योग

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) दोनों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. अपरा एवं परा प्रकृति का वर्णन कीजिए।

2. ज्ञान–विज्ञान के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. भक्ति एवं ज्ञान की समग्र दृष्टि का वर्णन कीजिए।

4. सिद्ध कीजिए कि' भगवान् सर्वव्यापक है'।

5. अध्यात्म का वर्णन कीजिए।

6. ब्रह्म के स्वरूप का निरूपण कीजिए।

7. योगयुक्त रहने के उपायों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. गीता के अनुसार मृत्यु के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. परमधाम पर टिप्पणी लिखिए।

3. गीता के अनुसार भक्ति का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

4. गीता के अनुसार उपासना के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

5. अक्षरब्रह्म पर टिप्पणी लिखिए।

6. अधिदैव को परिभाषित कीजिए।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

यथाऽऽकाशस्थितो नित्यं वायुः सर्वत्रगो महान्।

तथा सर्वाणि भूतानि मत्स्थानीत्युपधारय॥

× × × × ×